

RUPEES  
25000  
रुपये

RUPEES  
25000  
रुपये

भारतीय रिज़र्व बँक  
भारतीय रिज़र्व बँक  
INDIAN RESERVE BANK

25000

25000

25000

पञ्जीरा हजार रूपया

0000 998366



॥ श्री गणेशाय नमः ॥



विक्रय पत्र



विक्रय वा बाजार मूल्य 12,10,000 रूपया  
अंकन बारह लाख दस हजार रूपया पर

रटावग डि०	90,750 रूपया
जनपद राजा डि०	12,100 रूपया
उपकार	4,538 रूपया
गतिशिल	112 रूपया

योग 1,07,500 रूपया

विक्रय संपत्ति ग्राम लगती भद्रगं. 25 पुराना, नया 34 रा. नि. मं. जबलपुर । तह. व जिला जबलपुर की है । जो नगर निगम सीमा जबलपुर से बाहर है । विक्रय संपत्ति ग्राम भगवत गिण्डरई तह. व जिला जबलपुर में स्थित है । विक्रय संपत्ति उपमार्ग पर स्थित है जो गिजी रास्ता है ।

विक्रय संपत्ति कृषि भूमि है, अशिक्षित है, अधिकशिक्षित है, वर्तमान में एक फराली है, हरतांतरक विक्रेता आदिवासी नहीं है अतएव धारा 165 (6) म.प्र.भू. राजस्व संहिता ; 959 के तहत पूर्वानुमति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है । विक्रय संपत्ति शाराकीय पट्ट या भूदान की भूमि नहीं है । विक्रय संपत्ति पर फलदार वृक्ष एवं इमारती वस्तु नहीं है ।

RUPEES  
**25000**  
रुपये

RUPEES  
**25000**  
रुपये

भारतीय रिजर्व बैंक  
भारतीय रिजर्व बैंक

25000



25000

25000

विक्रय संपत्ति भू अधिकार क्रम पु. क्रं. पी 569381 पण 000 098360

विक्रय मात्र लिख दिया करीदार:- **महर्षि शिक्षा**

**संस्थान जई दिल्ली तय अरविंद सिंह राजपूत**

पिता श्री जी. एल. राजपूत निवासी- ए-3/1 स्थान नगर, गढ़ना  
गढ़ना शहर तहसील जिला जयलपुर माली को।

विक्रेता:- श्री **सूर्य मनीहट नारायण** पिता  
श. श्री सूर्यनाथ नारायण निवासी- 2324/वी सईत टाउन  
शहर तहसील जिला जयलपुर माली को।

**विक्रय संपत्ति का विवरण**

इस वस्तावेज की विक्रय विषय वस्तु कृषि भूमि है, जिसका प्रयोजन शुरू से ही कृषि रहा है, लगातार कृषि हो रही है, पड़त नहीं है। लगातार भूमि का प्रयोजन कृषि में होने से विक्रय भूमि स्थित भूमि की परिभाषा में नहीं आती है। तथा कार्यालय संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम निवेश क्षेत्र जयलपुर से प्राप्त अभिगत क्रमांक 3497 / नगनि/ जयलपुर दिनांक 9.10.79 की जानकारी में जयलपुर विकास योजना मत में विक्रय भूमि का निर्दिष्ट उपयोग कृषि भूमि है

विक्रय जमीन गौजा लमाही (याज पंचायत पिंडरई ) नं. त.  
642 प. ह. नं. 25 पुराना, नया नं. 34 स. नि. नं. जयलपुर -1  
तहसील जिला जयलपुर में स्थित भूमि खारा नं. 39 खज्जा 2.341  
हेक्टेयर, जो से गहल विक्रय भूमि 2 एकर 80 सेंटर  
लगान रेट मुहानिकस हतक भूमि स्वामी की है, सदैव उसे नारतो  
रगारत अभिगतरी सञ्चालिकरी को सहित होती है, उक्त भूमि  
महर्षि शिक्षा संस्थान को तमारे एवं उनसे संबंधित संस्थानों को तीत  
कार्य को हिये खरीदी जा रही है।

RUPEES  
25000  
रुपये

RUPEES  
25000  
रुपये

भारतीय रिजर्व बैंक

RESERVE BANK OF INDIA

25000

पच्चीस हजार रुपये



RUPEES  
25000  
रुपये

RUPEES  
25000  
रुपये

चीहन्दी:- उत्तर में रेडियो स्टेशन, दक्षिण में **सिन्धु 98367**  
भूमि ख. नं. 2/7 पूर्व में रिपब्लिकन रेननरेशन गवर्नमेंट  
फाउण्डेशन परिचय में दिखाता है।

### प्रतिफल



उपरोक्त भूमि का विक्रय प्रतिफल रूपया 12,10,000  
अंकन चारह लाख दस हजार रूपया चैक क्रमांक  
762631 स्टेट बैंक आफ इंदौर मालवीय चौक  
जबलपुर से प्राप्त कर लिया है। अब या आयंदा कुछ  
भी लेना शेष नहीं रह गया है।

### विक्रय पत्र का लेख

वाक्य ऐसा कि उक्त विक्रय शर्तों के विज्ञापन स्वरूप मासिक कवित्र बले आते  
हैं, व सम्पत्त नैतिक अधिकार अधिकार है विज्ञापन पर नाम सभी भू राज्य अधिकारियों पर  
हस्त भूमि सम्पत्तों की विवरण से दर्ज है, क्रमांक उक्त जयपाल कृष्ण करने के इच्छुक थे और  
वृत्ति क्रमांक पर प्रस्ताव अन्य क्रमांकों के साथ से सम्पत्तों भा, अतः आप क्रमांक को ही  
विक्रय करना तय किया अतः यह उपरोक्त वर्णित उक्त इति भूमि संपत्ति को सदैव के  
वास्तु समस्त अधिकारों सुधारियों के सहित शर्तों और पर स्थित हर चीज के सहित  
खाली व एक एक इलाक में विक्रय कर खास कम्पा पक्षर मासिक रूप दिया है, अब  
आज से आप उक्त जयपाल के मासिक हुए, उक्त विज्ञापन जयपाल भोज्य लगती में स्थित  
है, आज से आप क्रमांक उपरोक्त विक्रय भूमि के पूर्ण रूप से मासिक हुए। कम्पा खास  
आपसे हुआ और हस्त भूमि सम्पत्तों व मासिक कवित्र विवरण से भू राज्य अधिकारियों  
पर अलग नाम दर्ज कर लें।

यह कि विक्रय सम्पत्तों का नाम है, कवित्र, विक्रय, आज आदि नहीं है। किसी  
जयपाल आदि का नाम नहीं है, सभी प्रकार के चार व इलाकों में गुप्त है। किसी कर कोई  
हस्त दिस्सा दावा देना शेष नहीं रह गया है।

यह कि विक्रय शर्तों का आज तक का जो भी सम्पत्त, टेक्स, देवक आदि अलग

INDIA NON JUDICIAL

25000

25000

25000

00DD 998452



॥ श्री गणेशाय नमः ॥

विक्रय पत्र

विक्रय वा बाजार मूल्य 48,40,000 रूपया अंकन अड़तालीस लाख चालीस हजार रूपया पर

स्टाजप डि०	3,63,000 रूपया
जनपद समा डि०	48,400 रूपया
उपकर	18,150 रूपया
अतिरिक्त	450 रूपया

योग- 4,30,000 रूपया

विक्रय संपत्ति ग्राम ज़मनी प.ड.नं. 25 पुराना, नया 34 रा.वि.मं. जबलपुर 1 तह. व जिला जबलपुर की है। जो नगर निगम सीमा जबलपुर से बाहर है। विक्रय संपत्ति ग्राम पंचायत पिण्डरई तह. व जिला जबलपुर में स्थित है। विक्रय संपत्ति उपमार्ग पर स्थित है जो निजी रास्ता है।

विक्रय संपत्ति कृषि भूमि है, असंचित है, अविकसित है, वर्तमान में एक फसली है, अस्तित्वक विक्रेता अदिवानी नहीं है अतएव धारा 165 (6) म.प्र. पू. राजस्व संहिता 1959 के तहत पूर्वानुमति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करना अनिवार्य नहीं है। विक्रय संपत्ति शासकीय पट्टा या भूदान की भूमि नहीं है। विक्रय संपत्ति पर फलदार वृक्ष एवं इमारती वृक्ष नहीं है।

विक्रय नॉपरिसिड भू अधिकांश ऋण मु. क्र. धी 569381, चे. 196872, चे. 423963 पर बर्ज है।

विक्रय पत्र लिख दिया स्वरीतदार- गार्गीस रिवा संस्थान नई दिल्ली द्वारा श्री अरविंद सिंह राजपूत पिता श्री जी. एस. राजपूत निवासी- ए-3/1 स्टेशन नगर गढ़ना गढ़ना जबलपुर वाराणसी को।

*Signature*



00DD 998453

विक्रेता:- 1. श्री कृष्ण मनोहर जायसवाल पिता स्व. श्री बाबूलाल जी जायसवाल निवासी- 2324/वी सड़क टाऊन जबलपुर.  
 2. श्रीमति वीरगंगा जायसवाल धर्मपत्नि स्व. श्री छराम मनोहर जायसवाल निवासी- 2324/वी सड़क टाऊन जबलपुर 3. श्रीमति प्ररंसा जायसवाल धर्मपत्नि श्री संदीप जायसवाल निवासी- गोपाल वाली की ओर गु. आम श्री कृष्ण मनोहर जायसवाल पिता स्व. श्री बाबूलाल जायसवाल निवासी- 2324/वी सड़क टाऊन जबलपुर तह 0 जिला जबलपुर वाली ने।

ॐ (विक्रय संपत्ति का विवरण) ॐ

इस दस्तावेज की विक्रय विषय वस्तु कृषि भूमि है, जिसका प्रयोजन शुरू से ही कृषि रहा है, लगातार कृषि ही रही है। लगातार भूमि का प्रयोजन कृषि में होने से विक्रय भूमि रिहत भूमि की परिभाषा में नहीं आती है, तथा कार्यालय संयुक्त संचालक नगर एवं ग्राम विवेश क्षेत्र जबलपुर से प्राप्त अभिमत क्रमांक 3497 एवं 3498/अग्रनि/जबलपुर दिनांक 9.10.79 की जानकारी में जबलपुर विक्रय योजना मत में विक्रय भूमि का निर्दिष्ट उपयोग कृषि भूमि है।

विक्रय जमीन गीजा लकरी (ग्राम पंचायत पिता) नं. व. 642 प. व. नं. 25 पुराजा, बसा नं. 34 स. नि. नं. जबलपुर तह 0 जिला जबलपुर में स्थित विक्रय भूमि सरासरी नं. क्रमांक: 39, 217, 218, 213, 214, 215, 216 में से समान क्रमांक: 1.100 हैक्टयर, 1.000 हैक्टयर, 0.250 हैक्टयर, 0.680 हैक्टयर, 0.170 हैक्टयर, कुल विक्रय भूमि 3.200 है. साबि 8.00 एकड़ गु अधिकतर पुरितकर क्रमांक क्रमांक: पी. 500381, जे. 196872, पी.



0000 998454

569381, जे. 423963, जे. 423963, लगान रेट मुताबिक हफ्त भूमि खागी की है, सदैव के वास्ते समस्त अधिकारों सुरक्षाधिकारों के सहिते बेची है। इस विक्रम्य भूमि को संलग्न नक्शा में लाल रंग से चिह्न दर्शाया गया है।

शीर्षद्वी:- विक्रम्य भूमि के उत्तर में सरिता तथा रेडियो स्टेशन की याउमड़ी वाल, दक्षिण में विक्रेताओं की भूमि, पूर्व में महर्षि शिक्षा संस्थान की भूमि तथा रिपब्लिकन रिजर्वेशन गूवर्नमेंट फाऊण्डेशन आफ इंडिया व पश्चिम में विक्रेताओं की भूमि है।

### परिफल

उक्त भूमि का विक्रय प्रतिफल कुलमा 48,40,000 अंकन अड़तालीस लाख चालीस हजार रुपया है, जो विक्रेताओं ने आप क्रेता से स्टेट बैंक आफ इंदौर जवाहरपुर में देय चेक / ड्राफ्ट के द्वारा निम्न प्रकार से प्राप्त किया :-

चेक/ड्राफ्ट क्र.	दिनांक	मूल्य	
762626	30.10.99	51,000 रु	पचास हजार रु.
541253	15.12.99	16,12,500 रु	सत्र लाख बारह हजार पचास रुपया
541254	15.12.99	14,55,500 रु	सत्र लाख पचास हजार पचास रुपया
541255	15.12.99	14,30,500 रु	सत्र लाख पचास हजार रुपया
046351	21.12.99	2,95,500 रु	दो लाख नवतीस हजार पचास रुपया



0000 998409

### विक्रय पत्र का लेख

चाहते हैं, व समस्त वैधानिक अधिकार प्राप्त हैं विक्रेता का नाम सभी भू राजस्व अभिलेखों पर हक भूमि स्वामी की हैसियत से दर्ज है, क्रेता उक्त जायदाद क्रय करने के इच्छुक थे और चूँकि क्रेता का प्रस्ताव अन्य क्रेताओं के मध्य से सर्वोत्तम था, अतः आप क्रेता को ही विक्रय करना तय किया अतः यह उपरोक्त वर्णित उक्त कृषि भूमि संपत्ति को सदैव के वास्ते समस्त अधिकारों सुखाधिकारों के सहित स्थाई तौर पर स्थित हर चीज के सहित खाली व पाठ साफ तालुका में विक्रय कर खास कच्चा दखल मालकाना सौंप दिया है, अब आज से आप उक्त जायदाद के मालिक हुए, उक्त विक्रीत जायदाद मौज्जा तमता में स्थित है, आज से आप क्रेता उपरोक्त विक्रय भूमि के पूर्ण रूपेण मालिक हुए। कच्चा खास आपका हुआ आप हक भूमि स्वामी व मालिक कविज हैसियत से भू राजस्व अभिलेखों पर अपना नाम दर्ज करा लें।

यह कि विक्रय संपत्ति पाक साफ है, कहीं बहन, विक्रय, कान आदि नहीं हैं। किसी जमानत आदि का भार नहीं है, सभी प्रकार के खार व झगड़ों से मुक्त है। किसी का कोई हकक हिरजा ढाखा डेना शोध नहीं रह गया है।

यह कि विक्रय संपत्ति का आज तक का जो भी लगान, टैकरा, डेयका आदि उठा है, यदि शोध होगा तो विक्रेता उठा करेगा। आज के खार का जो लगे जो आप क्रेता डेना, पिछला विक्रेता उठा करेगा।



00DD 998391

यह कि श्रीमति वीरबाना जायसवाल धर्मपति स्व. श्री इयाम मनोहर जायसवाल ने श्री कृष्ण मनोहर जायसवाल पिता स्व. श्री बाबूबाल जी जायसवाल निवासी-2324की सड़क टाऊन जबलपुर धारों को जयल भूमि धेवने को लिये अपना सु. नाम समग्र नोटरी श्री जी. पी. चौधे को अस्थि अधिकृत जबलपुर को सु. नाम नियुक्त किया है तथा श्रीमति वीरबाना जायसवाल धर्मपति संदीप जायसवाल ने श्री कृष्ण मनोहर जायसवाल पिता स्व. श्री बाबूबाल जी जायसवाल निवासी-2324की सड़क टाऊन जबलपुर धारों को समग्र नोटरी श्री एम. को. चौधरी भोपाल को अस्थि अधिकृत सु. नाम जयल जयल जायसवाल विक्रय करने को लिये नियुक्त किया है।

वह कि उक्त विक्रय नरपति के चाकत् विक्रीता का उक्त जायसवाल को कोई उजर काका नहीं रहा ना होगा वह लिखतम की पाठकी नानी पर नका होगी।

अतः यह विक्रय पत्र सभी स्वरुपी से स्वस्थ मज दशा .। समक्ष गवाहों को तिनो किसी काम या लालच के पड़कर चुन समझकर लिख दिया कि प्रमाण को नकल पर काम आवे। अवलपूर दिनांक- 25.1.2000 ई० को दानपति अमय और दस्तावेज लेखक उप पंजीयक कार्यालय जबलपुरा निजी कार्यालय शॉप नं. 14 मगर निगम मार्केट सेल्स टेपस ऑफिस को सामने घंटाघर जबलपुरा फाट छोट वही है।

गवाह-1 *[Signature]*

हस्ताक्षर विक्रेता

अमय और दस्तावेज लेखक  
 निवासी 4, A. गंगुल रोड  
 जबलपुर

*[Signature]*

गवाह-2  
 दामपति अमय और दस्तावेज लेखक

दस्तावेज लेखक (पंजी)  
 25 इलीकट कालो, 25.1.2000

*[Handwritten signature]*

दानपति अमय और दस्तावेज लेखक  
 दस्तावेज लेखक  
 निवासी 4, A. गंगुल रोड  
 जबलपुर

दस्तावेज लेखक (पंजी)  
 25 इलीकट कालो, 25.1.2000